आधी आबादी

हर सन्डे वूमेन्स डे

संस्करण – रविवार, 21 अप्रैल 2024, अंक – 50

आम आदमी पार्टी ने किया भाजपा के नाक में दम, अब लगाया गंभीर आरोप

केजरीवाल की गिरफ़्तारी के बाद आम आदमी पार्टी आक्रामक हो गई है। ताज़ा मामला यह है कि जेल में अरविंद केजरीवाल को इंसुलिन दिये जाने पर अब युद्ध छिड़ गया है और मामला कोर्ट तक पहुंच गया है। आम आदमी पार्टी के सीनियर लीडर्स बीजेपी पर लगातार आरोप लगा रहे हैं। मंत्री आतिशी ने आरोप लगाया कि "केंद्र सरकार इंसुलिन और ज़रूरी दवाइयां न देकर जेल में अरविंद केजरीवाल के खिलाफ बड़ी साज़िश रच रही है। तिहाड़ प्रशासन और ईडी कोर्ट में केजरीवाल की इन्सुलिन की मांग की अपील का विरोध कर रही है। आतिशी के मुताबिक "स्वतंत्र भारत के इतिहास में पहली बार होगा जब जेल में किसी आरोपी को डॉक्टर द्वारा प्रिस्क्राइब्ड इंसुलिन और दवाइयां न दी जा रही हो। उन्होंने आगे कहा कि, एलजी साहब के ख़ास वकील, उनके स्पेशल काउंसल्स ने कोर्ट में तिहाड़ की ओर से अरविंद केजरीवाल जी की दवाइयों और इंसुलिन की मांग का विरोध किया। उन्होंने सवाल पूछते हुए कहा कि, एलजी ने क्यों इन वकीलों को कोर्ट में अरविंद केजरीवाल जी की

■ हीरेंद्र झा

दवाइयों का, इंसुलिन का विरोध करने के लिए भेजा? क्या एलजी भी इस साजिश में शामिल है?" आतिशी ने ये भी कहा कि स्वतंत्रता पूर्व अंग्रेज, स्वतंत्रता सेनानियों का मनोबल तोड़ने के लिए ऐसे पैंतरे अपनाते थे। उन्होंने कहा कि, बीजेपी और प्रधानमंत्री मोदी जबाव दें। अरविंद केजरीवाल जी ने कोर्ट में इन्सुलिन और दवाइयां देने की अपील की तो क्यों केंद्र सरकार, ईडी, तिहाड़ प्रशासन उसका विरोध कर रही थी? आतिशी ने सवाल पूछते हुए कहा कि, क्यों और किस प्रावधान के तहत तिहाड़ जेल प्रशासन ने गलत और गैरकानूनी तरीके से अरविंद केजरीवाल जी की मेडिकल डिटेल्स ईडी को सौंपी। उन्होंने कहा कि, जिस तरह अंग्रेज जेल में स्वतंत्रता सेनानियों को क़ैद करने के बाद प्रताड़ित करते थे, ठीक वही साज़िश प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी, अरविंद केजरीवाल जी के साथ कर रहे है। आतिशी ने कहा कि, स्वतंत्र भारत के इतिहास में ऐसा पहली बार हुआ होगा जब न्यायिक हिरासत में, जेल में किसी व्यक्ति को उसकी दवाइयां लेने से रोका जा रहा है। ये व्यक्ति कोई गैंगस्टर, मर्डरर, लुटेरा नहीं है बल्कि दिल्ली में 3 बार भारी बहुमत से चुना हुआ दिल्ली का मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल है। उन्होंने कहा कि, सभी को पता है कि अरविंद केजरीवाल जी को 30 सालों से डायबिटीज़ है। उनके डॉक्टरों ने भी लिख के दिया है कि वो पहले इन्सुलिन के 54 यूनिट लिया करते थे, लेकिन आज बीजेपी और प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी, अरविंद केजरीवाल जी की दवाइयां रोककर, उनकी इन्सुलिन न देकर उनके खिलाफ साजिश रच रहे हैं। इसके पहले भी आम आदमी पार्टी लगातार अपने मुद्दों को बड़ी बुलंद आवाज़ में उठा रही है और हर मुद्दे पर मोदी सरकार को घेर रही है। एकतरफा होते दिल्ली के चुनाव में जैसे आम आदमी पार्टी को मोदी के विरुद्ध एक बड़ा मुद्दा मिल गया है। आप और कांग्रेस के साथ आने से इस बार दिल्ली की सातों सीटों पर दिलचस्प समीकरण बन गए हैं।

विशेष संपादकीय

क्षेत्रीय पार्टियों ने सबसे अधिक महिलाओं को दिया टिकट, राष्ट्रीय दलों ने दिखाई कंजूसी

– दिनेश के सिंह

महिलाएं हर पार्टी के लिए एक बड़ा वोट बैंक है और सभी पार्टियां उन्हें लुभाने के लिए तमाम तरह के वादे और प्रचार करती हैं। लेकिन जब बात टिकट में हिस्सेदारी की आती है तो सभी पार्टियों का ट्रैक रिकॉर्ड इसमें बेहद खराब है। जबकि आंकड़े ये दर्शाते हैं कि चुनाव में जीत के मामले में महिलाओं का सफलता दर पुरुषों से बेहतर है। खासकर की दोनों प्रमुख राष्ट्रीय दलों का प्रदर्शन महिलाओं को टिकट देने के मामले में निराशाजनक रहा है। भाजपा ने अब तक घोषित कुल 417 प्रत्याशियों में से मात्र 16 फीसदी यानी 68 महिलाओं को ही टिकट दिया है। वहीं कांग्रेस ने कुल 192 घोषित प्रत्याशियों में से 11 फीसदी यानी केवल 22 महिलाओं को ही टिकट दिया है। इसके इतर कुछ क्षेत्रीय पार्टियों ने इस दिशा में बेहतरीन प्रयास किए हैं। इसमें बीजू जनता दल ने सबसे अधिक 33 फीसदी महिलाओं को टिकट दिए हैं। पार्टी ने 21 में से 7 सीटों पर महिला प्रत्याशी उतारे हैं। इसके बाद तृणमूल कांग्रेस ने 28 फीसदी महिलाओं को टिकट दिया है। पार्टी के कुल 42 प्रत्याशियों में से 12 महिलाएं हैं। ध्यान देने योग्य बात यह भी है कि 2019 के चुनाव में भी बीजद और टीएमसी से ही सबसे अधिक महिला सांसद चुनकर आई थीं। बीजद से सबसे अधिक 42 फीसदी महिलाएं सांसद चुनी गई थीं, वहीं टीएमसी से 39 फीसदी महिलाएं सांसद बनी थीं। इसके बाद वाईएसआर से 18 फीसदी, भाजपा से 14 फीसदी, शिवसेना से 11, डीएम के से 8 एवं जदयू से 4 फीसदी महिलाएं सांसद चुनी गई थीं। हालांकि देश के पहले चुनाव से तुलनात्मक अध्ययन किया जाए तो संसद में महिलाओं की हिस्सेदारी लगातार बढ़ी है। 1952 में पहले चुनाव में कुल 489 सांसद में से 22 महिलाएं थी, जोकि कुल सासंदों का 4.4 फीसदी था। इस संख्या में चुनाव-दर-चुनाव इजाफा होता गया और 2019 के चुनाव में रिकॉर्ड सबसे ज्यादा महिलाएं सांसद चुनी गई थीं। 2019 में 17वीं लोकसभा में सबसे अधिक 78 महिला सांसद चुनी गई थीं, जोकि कुल सांसदों का 14 फीसदी था। वहीं आंकड़ों में गौर करें तो जीत के मामले में भी महिलाओं का रिकॉर्ड पुरुषों के मुकाबले बेहतर रहा है। 1957 में जहां कुल 45 महिलाओं में से 48.88 फीसदी यानी 22 महिलाएं जीती थीं, वहीं 2019 में सफलता दर 10.74 फीसदी रही थी। इसके मुकाबले 1957 में 31.7 फीसदी पुरुष जीते थे। 2019 में यह आंकड़ घटकर मात्र 6.4 फीसदी रह गया। 2019 के आंकड़ों को देखें तो इस बार यह उम्मीद की जा सकती है कि इतिहास में सबसे अधिक संख्या में जीतकर महिलायें संसद में पहुंचेगी और आधी आबादी के अधिकारों के लिए अपनी आवाज उठायेंगी।

इंटरव्यू

एक्ट्रेस के काम से ज्यादा चेहरे पर होता है फोकस: करीना कपूर ख़ान

"बॉलीवुड की बेबो अभिनेत्री करीना कपूर ख़ान एक बेहतरीन एक्ट्रेस हैं। उन्होंने एक से बढ़कर एक सुपरहिट फिल्में की हैं। हाल ही में करीना 'क्रू' फिल्म में नज़र आईं, जिनमें उनके काम की काफी सराहना हुई है। आइए पढ़ते हैं आधी आबादी संडे से उनकी यह खास बातचीत।"

सवाल: आपके नये लुक को लेकर काफी तारीफ हो रही है?

करीना: मैं अपने लुक को लेकर हमेशा कॉन्फिडेंट रहती हूँ। जैसी दिखती हूँ उसको लेकर मैं बहुत खुश हूँ। मैं हमेशा से पहले एक्टर बनना चाहती हूँ और लुक मेरे लिए बाद में आता है। मैं नहीं चाहती कि लोग मेरे काम से ज्यादा मेरे लुक पर फोकस करें। दुर्भाग्य से इंडस्ट्री की सच्चाई आज यही है कि आजकल लोग एक्ट्रेस के काम से ज्यादा चेहरे पर फोकस करते हैं।

सवाल: एक्ट्रेस तो आप कमाल की हैं, एक माँ के रूप में आपका अनुभव कैसा है?

करीना: मैं अपने दोनों बेटों के साथ सम्मान से पेश आती हूँ। हम उनके साथ समान रूप में व्यवहार करते हैं, हम उनका सम्मान करते हैं और हम उन्हें वैसा ही रहने देते हैं जैसा वे रहना पसंद करते हैं। मैं अपनी जिंदगी अपने बच्चों के सामने जीना चाहती हूँ, मैं उनके साथ हर पल अच्छे से जीना चाहती हूँ। मैं अपने बच्चों को हमेशा खुश रखूंगी तभी तो वे फलेंगे-फूलेंगे।

सवाल: आपके दौर की अभिनेत्रियों और आज के दौर में कितना अंतर देखती है?

करीना: हमारे दौर में रानी मुखर्जी और तब्बू जैसी अभिनेत्रियों ने ऊंचा मुकाम बनाया। एक चीज जो मैं कहना चाहूँगी कि हमारे दौर की अभिनेत्रियाँ नये लोगों से ज्यादा मेहनती हैं। हम सब दर्शकों को इन्टरटेन करना चाहते हैं। उम्र इसके लिए कोई पैमाना नहीं होना चाहिए।

सवाल: इस साल हम आपको और किस फिल्म में देखेंगे?

करीना: हँसल मेहता की बकिंघम मर्डर्स के अलावा अजय देवगन की सिंघम 3 में भी आप मुझे देख सकेंगे।

सवाल: आधी आबादी को लेकर आप क्या संदेश देना चाहेंगी?

करीना: खुश रहिए और खुशियां बाँटिए। दिखावे से दूर रहिए। मेहनत से काम कीजिए। आगे बढ़िए।

हलचल

मां के साथ फुटपाथ पर सो रही थी 6 साल की मासूम, तीन दरिंदों ने अगवाकर किया गैंगरेप

गोरखपुर में दरिंदों ने 6 साल की मासूम को अगवाकर उसके साथ गैंगरेप किया। पीड़िता फुटपाथ पर अपनी मां के साथ सो रही थी। शोर सुनकर मां की नींद खुली तो सन्न रह गई। उसने भी शोर मचाया तो आरोपी मासूम को छोड़कर फरार हो गए। मां की तहरीर पर पुलिस ने आरोपियों के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। मासूम को गंभीर अवस्था में मेडिकल कॉलेज में भर्ती कराया गया है जहां उसका इलाज चल रहा है। कैंट थाना क्षेत्र के धर्मशाला बाजार पुलिस चौकी के पास गुरुवार की रात 6 वर्षीय मासूम का किडनैप कर तीन युवकों ने गैंगरेप किया है। मासूम अपनी मां के साथ फुटपाथ पर सो रही थी। इसी दौरान वहां पहुंचे तीन दरिंदों ने मासूम का किडनैप कर लिया और कुछ दूर ले जाकर उसके साथ दुष्कर्म किया। मासूम की मां का कहना है कि पति की मौत हो चुकी है, वह भीख मांग कर अपनी बेटी और अपना पालन पोषण करती हैं। मैं और मेरी बेटी फुटपाथ पर सो रहे थे। इसी बीच न जाने कब तीन युवक आए और मेरी बच्ची को सोते वक्त उठा कर ले गए। बेटी के शोर मचाने पर जब मेरी नींद खुली तो देखा कुछ दूर पर तीनों मेरी बेटी के साथ गलत काम कर रहे हैं। जब मैंने शोर मचाया तो तीनों फरार हो गए।

हिमाचल में महिला अपराध बढ़े, चुनाव में सुरक्षा का मुद्दा गायब

हिमाचल प्रदेश में लोकसभा चुनाव की सरगर्मियां तेज हो गई हैं। नेताओं ने जनहित मुद्दों के लेकर जनता के बीच जाना शुरू कर दिया है। पार्टी के नेता जनता को रिझाने के लिए कोई कसर नहीं छोड़ना चाहते। स्वास्थ्य, बेरोजगारी, कर्मचारी, बागवानी जैसे मुद्दों पर तो सियासी दल और नेता बात कर रहे हैं, लेकिन देवभूमि में महिला सुरक्षा का मुद्दा जैसे 'गौण' है। पुलिस की ओर से जारी आंकड़ों के अनुसार, प्रदेश में महिला अपराध के आंकड़े बढ़ रहे हैं। साल 2014 में सूबे में दुष्कर्म के 284 मामले दर्ज हुए थे, वहीं 2023 में यह आंकड़ा 344 पहुंच गया। वर्ष 2024 में अब तक यह संख्या 51 है। वर्ष 2014 में महिला अपहरण के 243 मामले दर्ज किए गए थे, 2023 में यह आंकड़ा 344 रहा। इस साल अब तक 56 मामले दर्ज हो चुके हैं। इन आंकड़ों से महिला सुरक्षा को लेकर जो तस्वीर सामने आ रही है, उसे सुखद नहीं कहा जा सकता है। प्रदेश में चाहे सरकार किसी की भी रही हो लेकिन महिला अपराध पर अंकुश नहीं लग पा रहा है। इस लोकसभा चुनाव में भाजपा ने प्रदेश में पहली बार मंडी से कंगना रणौत के रूप में महिला प्रत्याशी उतारा है। वहीं कांग्रेस पार्टी भी महिला को ही चुनाव मैदान में उतारने की फिराक में है। ऐसे में महिला सुरक्षा के मुद्दे पर प्रमुखता से बात होने की संभावना है।

आम आदमी पार्टी ने सीएम केजरीवाल की पत्नी सुनीता केजरीवाल को बनाया स्टार प्रचारक

लोक सभा चुनाव प्रचार तैयारियों के बीच आम आदमी पार्टी (AAP) ने मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल की पत्नी सुनीता केजरीवाल को स्टार प्रचारक बनाया है। सुनीता केजरीवाल गुजरात में चुनाव प्रचार कर सकती है। आम आदमी पार्टी दिल्ली की तरह गुजरात में भी लोकसभा चुनाव कांग्रेस के साथ गठबंधन के तहत लड़ रही है। आम आदमी पार्टी ने बोटाद विधायक उमेश मकवाना को भावनगर और डेडियापाड़ा विधायक चैतर वसावा को भरूच लोकसभा सीट से पार्टी का प्रत्याशी बनाया है। इसमें से भरूच लोकसभा सीट कांग्रेस का गढ़ माना जाता है। यह क्षेत्र में कांग्रेस के वरिष्ठ नेता रहे अहमद पटेल का प्रभाव वाला क्षेत्र है। सूत्रों के मुताबिक सुनीता केजरीवाल इस सीट पर पार्टी प्रत्याशी के पक्ष में चुनाव प्रचार करेंगी। इन्होंने पेश की भरूच सीट पर दावेदारी अहमद पटेल की बेटी मुमताज पटेल और बेटे फैजल पटेल ने भरूच सीट पार्टी हाईकमान द्वारा आम आदमी पार्टी को देने पर नाराजगी जताई थी। दोनों इस सीट पर अपनी दावेदारी बताई थी। हालांकि, मुमताल पटेल ने बाद में कहा था कि पार्टी आलाकमान ने जो निर्णय लिया है, वो सोच समझकर ही लिया होगा। बता दें कि कि गुजरात विधानसभा चुनाव में आम आदमी पार्टी को 12 प्रतिशत मत मिले थे। आप गुजरात की तीसरी सबसे बड़ी पार्टी है। विधानसभा चुनाव में पार्टी के पांच प्रत्याशी पहली बार चुनाव जीतकर विधानसभा पहुंचे थे। अब पार्टी ने गुजरात की 26 सीटों में दो सीटों पर लोकसभा चुनाव में प्रत्याशी बनाए हैं। पार्टी के नेताओं को इस गुजरात से संसद के लिए प्रतिनिधि चुने जाने की उम्मीद है। फिलहाल, आप नेता दोनों सीटों पर पार्टी प्रत्याशी के पक्ष में चुनाव प्रचार में जुटे हैं। सुनीता केजरीवाल रविवार को झारखंड में भी प्रचार कर रही हैं।

तृणमूल कांग्रेस ने अपने घोषणापत्र में की महिलाओं को पेंशन देने की बात

तृणमूल कांग्रेस (टीएमसी) का घोषणा-पत्र आ गया है। पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी के नेतृत्व वाली पार्टी ने इसके तहत 10 शपथ ली हैं। मैनिफेस्टो में सीएए को पलटने, एनआरसी को रोकने और यूसीसी को पूरे देश में न लागू होने देने का वादा किया गया है। टीएमसी ने इसके साथ ही कहा कि अगर वह सत्ता में आई तब घर पर पांच किलो फ्री राशन दिया जाएगा और एक साल में बीपीएल परिवारों को मुफ्त में 10 गैस सिलेंडर दिए जाएंगे। टीएमसी का घोषणापत्र जारी करते हुए पार्टी नेता डेरेक ओ ब्रायन बोले- केंद्र में टीएमसी की सरकार बनेगी तो मनरेगा को 400 रुपए प्रतिदिन किया जाएगा, सभी के लिए पक्का मकान होगा, 60 साल से अधिक उम्र के व्यक्तियों को 1000 रुपए प्रति माह पेंशन (12 हजार रुपए प्रति साल) दी जाएगी। ईंधन और एलपीजी की कीमतों की जांच होगी, मूल्य स्थिरीकरण कोष बनाया जाएगा, 25 साल की आयु तक के सभी छात्रों को मासिक वजीफा मिलेगा, जो लोग आगे पढ़ना चाहते हैं उन्हें 10 लाख का स्टूडेंट क्रेडिट कार्ड दिया जाएगा, बंगाल के लक्ष्मी भंडार की तर्ज पर महिलाओं को मासिक राशि मिलेगी और सभी के लिए 10 लाख रुपए का चिकित्सा बीमा होगा।

मायावती के फैसले ने सबको चौंकाया, कांशीराम के जमाने के मतगणना एजेंट को बनाया प्रत्याशी

लोकसभा चुनाव के लिए फूलपुर से बसपा ने प्रत्याशी घोषित कर दिया है। हाथी के चुनाव चिह्न पर जगन्नाथ पाल ताल ठोकेंगे। पार्टी की इस घोषणा से त्रिकोणीय मुकाबले की जमीन तैयार हो गई है। सभी राजनीतिक दलों ने टिकट की घोषणा में क्षेत्र के जातीय समीकरण को साधने के साथ स्थानीयता को प्रमुखता दी है। जनता जनार्दन क्या फैसला सुनाएगी यह चार जून को साफ होगा, लेकिन सूर्य देव की गर्मी के साथ राजनीतिक पारा भी तेजी से चढ़ने लगा है। बसपा ने जगन्नाथ पाल पर दांव लगाकर सभी को चौंका दिया है। जगन्नाथ पाल भूतपूर्व सैनिक होने के साथ विकास इंटर कॉलेज एवं यूनिक पब्लिक स्कूल के प्रबंधक भी हैं। शैक्षिक योग्यता एमए (प्राचीन इतिहास, हिंदी) है। सामाजिक एवं राजनीतिक जीवन में वह लंबे समय से हैं। ग्राम पंचायत अमरसापुर, बहादुरपुर के दस वर्ष तक प्रधान भी रहे। राजनीतिक दल से जुड़ाव की बात करें तो वह शुरू से बसपा का झंडा लेकर चल रहे हैं। यही वजह है कि पार्टी उन्हें विधानसभा झूंसी के महासचिव, जिला उपाध्यक्ष, जिला प्रभारी, लोकसभा प्रभारी फूलपुर की जिम्मेदारी पूर्व में दे चुकी है। मुख्य मंडल जोन प्रभारी के साथ प्रयागराज व मीरजापुर मंडल के कोऑर्डिनेटर का दायित्व भी निभा चुके हैं। वर्तमान में प्रयागराज के मंडल प्रभारी का दायित्व निभा रहे हैं। करीब 63 वर्षीय पाल 1996 में तत्कालीन बसपा सुप्रीमो कांशीराम के चुनाव में मतगणना एजेंट के रूप में कार्य कर चुके हैं।

वसुंधरा राजे की चुनाव प्रचार से दूरी के सियासी मायने क्या हैं, क्या सीएम भजनलाल शर्मा को मिल रहा फायदा?

▪ आधी आबादी डेस्क

राजस्थान में लोकसभा चनाव 2024 को लेकर जहां बीजेपी के दिग्गज नेता पूरी ताकत झोंक रहे हैं। वहीं राजस्थान की पूर्व मुख्यमंत्री और बीजेपी की दिग्गज नेता वसुंधरा राजे प्रचार प्रसार से दूरी बनाए हुए हैं। हालांकि, वसुंधरा राजे झालावाड़ में डेरा डाले हुए है। लेकिन राजस्थान के अन्य लोकसभा सीटों पर वह अब तक प्रचार प्रसार में नहीं दिखी। लिहाजा चुनाव प्रचार प्रसार से उनकी दूरी क्यों है यह सवाल उठना लाजमी है। आपको बता दें झालावाड़-बारां लोकसभा सीट से वसुंधरा राजे के बेटे दुष्यंत सिंह मैदान में हैं। वसुंधरा बेटे के लिए लगातार कैंपेन कर रही हैं। वसुंधरा राजे का प्रचार प्रसार से दूर रहना काफी अहमियत रखता है। वहीं कुछ राजनीतिक जानकारों का मानना है कि वसुंधरा राजे का प्रचार से दूर रहना सीएम भजनलाल शर्मा के लिए फायदेमंद है। हालांकि, यह भी कहा जा रहा है कि अगर राजस्थान में बीजेपी मिशन 25 का हैट्रिक नहीं लगाती तो भजनलाल की कुर्सी खतरे में पड़ सकती है।

वसुंधरा राजे कर रही दबाव की राजनीति

बताया जा रहा है कि वसुंधरा राजे इन दिनों दबाव की राजनीति कर रही है। हालांकि, वह खुलकर इस पर काम नहीं कर पा रही हैं। जानकारों की माने तो उनका कहना है कि बीजेपी का इस बार 25 सीटों पर जीत पाना मुश्किल है। क्योंकि कांग्रेस ने इस बार गठबंधन का दांव चला है। इसके अलावे भी कई सीट फंसी हुई है। अगर भजनलाल सफल नहीं होते हैं तो वसुंधरा राजे को इसका फायदा मिल सकता है।

भजनलाल शर्मा का बढ़ रहा कद

वसुंधरा राजे का लोकसभा चुनाव में सीधे नहीं जुड़ना काफी मायने रखता है। वहीं लोकसभा चुनाव प्रचार में सीएम भजनलाल शर्मा लगातार अलग-अलग सीटों पर दौरा कर रहे हैं। वह अपनी पूरी ताकत झोंक रहे हैं जिससे कि बीजेपी को सभी 25 सीटों पर जीत मिल सके। ऐसे में भजनलाल शर्मा का कद भी बढ़ रहा है। अगर बीजेपी राजस्थान में जीत की हैट्रिक लगाती है तो इससे भजनलाल शर्मा का कद वसुंधरा राजे से ज्यादा हो सकता है।

वसुंधरा राजे की नाराजगी नहीं हुई दूर

वसुंधरा राजे का नाम स्टार प्रचारकों में शामिल किया गया था। लेकिन इसके बावजूद वह झालावाड़ सीट छोड़कर कहीं भी कैंपेन नहीं कर रही है। ऐसे में इसे साफ तौर पर नाराजगी के तौर पर देखा जा रहा है। पीएम मोदी ने राजस्थान में अब तक 5 चुनावी सभा कर चुके हैं लेकिन किसी भी भी वसुंधरा राजे नजर नहीं आईं। हालांकि, 6 अप्रैल को बीजेपी की स्थापना दिवस पर वह दिल्ली हेडक्वॉटर में जरूर नजर आईं थीं।

सर्राफा बाज़ार

22 कैरेट सोना	चांदी
₹68,830	₹90,000
प्रति 10 ग्राम	प्रति किलो

लोकसभा चुनाव 2024: पहले चरण के मतदान को महिलाओं ने बनाया स्पेशल

▪ आधी आबादी डेस्क

शुक्रवार 19 अप्रैल को लोकसभा चुनाव के पहले चरण का मतदान सम्पन्न हुआ। पहले चरण में 21 राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों की 102 सीटों पर वोटिंग हुई। पश्चिम बंगाल और छत्तीसगढ़ में हिंसा की छिटपुट घटनाओं को छोड़कर पहले चरण का मतदान शांतिपूर्ण ढंग से संपन्न हो गया। तमाम चुनौतियों के बावजूद पहले चरण के मतदान को लेकर महिलाओं में भारी उत्साह देखने को मिला। शारीरिक रूप से असमर्थ और दिव्यांग मतदाता स्ट्रेचर एवं व्हीलचेयर पर बैठकर मतदान करने पहुंचे। पहाड़ी इलाकों में कई जगह लंबी और कठिन चढ़ाई के बावजूद लोग वोट देने मतदान केंद्रों पर पहुंचे।

पहले चरण के मतदान के दौरान देश के विभिन्न हिस्सों में अलग-अलग रंग देखने को मिला। नवविवाहित जोड़े भी वोट देने के अपने अधिकार को बखूबी निभाते नजर आए। देहरादून में मतदान केंद्र पर एक परिवार की तीन पीढ़ियों ने एक साथ वोट डाले। प्रभा शर्मा ने बेटी प्रीति कौशिक, पोतियों शमिता कौशिक और साक्षी कौशिक के साथ मतदान किया। नैनीताल में महिलाएं पारंपरिक पोशाक में मतदान करने पहुंचीं।

डोडा में महिलाओं को भाया पिंक बूथ

जम्मू-कश्मीर में लोकसभा की पांच से एक उधमपुर सीट के लिए मतदान हुआ। इस लोकसभा क्षेत्र के तहत आने वाले डोडा जिले में कड़े सुरक्षा प्रबंधों के बीच पूरी तरह महिला कर्मियों की तैनाती वाले पिंक बूथ महिला मतदाताओं को खूब आकर्षित किया। भारी बारिश के बावजूद बड़ी संख्या में महिलाएं अपने मताधिकार का इस्तेमाल करने के लिए डोडा स्थित राजकीय कन्या स्कूल में बने पिंक बूथ पहुंची। यहां लंबी कतारें नजर आईं। डोडा जिले के भदरवाह में पहली बार वोट करने वाली वंशिका शर्मा ने कहा कि 18 साल की होने के बाद मुझे मतदान को लेकर बेसब्री से इंतजार था। भदरवाह में एक केंद्र पर सबसे पहले मतदान करने वाले मूल राज का चुनावकर्मियों ने बुके देकर स्वागत किया।

एक महिला का वोट पड़ा और हो गया 100 फीसदी मतदान

इटानगर। अरुणाचल प्रदेश के अंजाव जिले में एक मतदान केंद्र पर 100 फीसदी मतदान दर्ज किया गया। दरअसल इस मतदान केंद्र पर सिर्फ एक ही मतदाता था और वह भी महिला थी। 44 साल की सोकेला तायांग ने दोपहर 1 बजे मतदान किया। इसके लिए मतदान कर्मियों ने दुर्गम इलाके में 40 किलोमीटर की पैदल यात्रा की और मतदान केंद्र स्थापित किया था।

दुनिया की सबसे छोटी महिला ने डाला वोट

दुनिया की सबसे छोटे कद (2.7 फुट) की मतदाता ज्योति आम्गे ने नागपुर में मतदान किया। गिनीज बुक ऑफ वर्ल्ड रिकॉर्ड्स के अनुसार, ज्योति की लंबाई मात्र 62.8 सेंटीमीटर है।

अंडमान : शोंपेन जनजाति ने पहली बार किया मताधिकार का इस्तेमाल

अंडमान निकोबार द्वीपसमूह की शोंपेन जनजाति के सात सदस्यों ने केंद्रशासित प्रदेश की एकमात्र लोकसभा सीट के लिए मताधिकार का इस्तेमाल किया। यह पहला मौका था, जब विशेष संवेदनशील जनजाति समूह की श्रेणी में आने वाले समुदाय ने जंगल से बाहर निकलकर वोट डाला। जनगणना 2011 के अनुसार, शोंपेन जनजाति की आबादी 229 थी। इसके कुल 98 मतदाता हैं।

शरणार्थी शिविर में जन्मी नलैनी ने किया मतदान

तमिलनाडु में एक शरणार्थी शिविर में पैदा हुई श्रीलंकाई तमिल नलैनी किरुबाकरन ने पहली बार मतदान किया। नलैनी का जन्म 1986 में रामेश्वरम मंडपम शिविर के एक शरणार्थी केंद्र में हुआ था और अब वह त्रिची के कोट्टापट्टू में श्रीलंकाई तमिलों के पुनर्वास शिविर में रह रही है। इस साल जनवरी में उसे मतदाता पहचान पत्र मिल गया था। नलैनी ने कहा, मैंने पहली बार वोट दिया है। बहुत खुश हूं। 38 साल की उम्र में मेरा सपना पुरा हो गया है। मैं श्रीलंकाई तमिलों के पुनर्वास शिविर से मतदान करने वाली पहली मतदाता हूं।

बुर्के में आईं महिलाओं के लिए मुस्लिम एजेंट, ऐसे कर रहीं पहचान

बुर्का पहनकर वोट डालने आई मुस्लिम महिला मतदाताओं की जांच के लिए मुस्लिम बूथ एजेंट की ड्यूटी लगाई गई है। शायद ये पहली बार हो रहा है जब लोकसभा चुनाव के दौरान मतदान से पहले मुस्लिम महिला मतदाताओं की आईडी मिलान के लिए मुस्लिम बूथ एजेंट की ड्यूटी लगाई है। मुस्लिम बूथ एजेंट पहचान के लिए नकाब हटवाकर आईडी से मिलान कर रही है।

लाइक, शेयर और डाउनलोड की दुनिया में इंटरनेट का स्याह पक्ष दिखाती है 'एलएसडी 2'

▪ प्रियंका सिंह

सीक्वल के इस दौर में निर्माता एकता कपूर और निर्देशक दिबाकर बनर्जी भी अपनी साल 2010 में रिलीज हुई फिल्म लव सेक्स और धोखा की सीक्वल ले आए हैं। जैसा कि पिछली कई सीक्वल फिल्मों के साथ होता आया है, हिट शीर्षक का प्रयोग करके बेहद ही कमजोर कहानी परोसी गई है।

14 साल पहले रिलीज हुई लव सेक्स और धोखा (LSD) फिल्म का कान्सेप्ट नया था, वह एमएमएस और स्टिंग आपरेशन का जमाना था। जब हैंडी कैमरा से फिल्म को शूट किया गया तो लोग उससे जुड़ पाए। इस बार दिबाकर आज के इंटरनेट मीडिया के दौर को दिखा रहे हैं, जहां युवा वास्तविकता से ज्यादा वर्चुअल दुनिया में जी रहे हैं। हालांकि, इसमें उन्होंने कई और मुद्दे भी ठूंस दिए हैं। पिछली फिल्म की तरह यह भी तीन कहानियों की एंथोलाजी फिल्म है। यहां लव सेक्स और धोखा को इंटरनेट मीडिया के दौर से जोड़ने के लिए लाइक, शेयर और डाउनलोड में बांट दिया गया है।

लाइक की कहानी शुरू होती है नूर (परितोष तिवारी) से, जो टुथ या नाच रियलिटी शो का हिस्सा है। वह पैदा तो लड़का हुआ है, लेकिन अब अपनी असली पहचान ढूंढते हुए महिला बनने के रास्ते पर है। दूसरी कहानी शेयर, कुल्लू (बोनिता राजपुरोहित) की है, जो किन्नर है। आत्मनिर्भर बनने के उद्देश्य से कुछ किन्नरों को मेट्रो स्टेशन पर काम दिया गया है, उनमें से वह भी एक है। इंटरनेट मीडिया पर काफी सक्रिय भी है। तीसरी कहानी डाउनलोड शुभम उर्फ गेम पप्पी (अभिनव सिंह) के नाम से मशहूर स्ट्रीमर की है, जो खेल की इस दुनिया में खुद फंस जाता है।

कमजोर लेखन और औसत अभिनय

इस फिल्म को देखते वक्त फिल्म के लेखकों, दिबाकर, प्रतीक वत्स और शुभम से एक सवाल पूछने का मन करता है कि आखिर इस फिल्म को बनाने का औचित्य क्या है? क्या वह इंटरनेट मीडिया की दुनिया दिखाना चाहते हैं, जिससे युवा पहले से ही वाकिफ हैं या वह इस दुनिया से बचने की सलाह दे रहे हैं। इन दोनों का जवाब इस फिल्म में तो मिलने से रहा। दिबाकर खुद इंटरनेट मीडिया से दूर रहना पसंद करते हैं, शायद यही वजह है कि वह केवल इसका स्याह पक्ष ही दिखा पाए हैं। गेमिंग की दुनिया को दिखाना फिल्मों के लिए नया है, लेकिन निराशा होती है, जब युवाओं के लिए बड़ा करियर बनकर उभरे गेमिंग और स्ट्रीमिंग को नकारात्मक तौर पर पेश किया जाता है।

अभिनय की बात करें तो अभिनेता परितोष तिवारी, बोनिता राजपुरोहित और अभिनव सिंह अपने-अपने रोल में जंचे हैं। खासकर परितोष जो अपनी पहली ही फिल्म में प्रयोग करते हुए महिला की वेशभूषा में नजर आते हैं। मेट्रो स्टेशन की सीनियर कर्मचारी लविना सिंह के रोल में स्वास्तिका मुखर्जी प्रभावित करती हैं। रियलिटी शो की होस्ट बनी मौनी रॉय और जज के रोल में अनु मलिक, तुषार कपूर, सोफी चौधरी हास्यास्पद लगते हैं। अच्छा होता अगर दिबाकर ने मूल फिल्म का ओरिजनल टाइटल ट्रैक इस फिल्म में ले लिया होता। कम से कम लगता तो कि यह सीक्वल है।

मूवी: लव सेक्स और धोखा 2 (Love Sex Aur Dhokha 2)

रेटिंग: डेढ़ स्टार

कलाकार: परितोष तिवारी, बोनिता राजपुरोहित, अभिनव सिंह, स्वास्तिका मुखर्जी

निर्देशक: दिबाकर बनर्जी

प्रबंध संपादक: दिनेश के सिंह ❁ संपादक: हीरेन्द्र झा ❁ सलाहकार संपादक: चारुल मल्लिक, राजेश शर्मा, गीता सिंह ❁ डिज़ाइनर: मो. हसमतुल्लाह अंसारी

RNI-DELHIN/2013/51353